भागवत द्वारा सिखों को हिंदू कहने का मामला

भड़के सिखों ने किया प्रदर्शन, भागवत के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग

आर.एस.एस. पर पाबंदी लगाने की मांग

जालंधर, 6 अगस्त (बुलंद): गत दिवस आर.एस.एस. के प्रमुख मोहन भागवत द्वारा सिखों को हिंदू धर्म का हिस्सा कहने पर सिखों में भारी रोष पाया जा रहा था। इस मामले में आज सिख तालमेल कमेटी के बैनर तले सैंकड़ों सिखों ने जालंधर में मोहन भागवत के बयान की आलोचना करते हुए भागवत के खिलाफ नारेबाजी की व प्रदर्शन किया।

जालंधर के गुरु नानक मिशन चौक से शुरू हुए प्रदर्शन में भारी तादाद में सिखों ने भाग लिया तथा बस स्टैंड फ्लाईओवर तक रोष मार्च निकाला। सिख प्रदर्शनकारियों के हाथों में छोटे-छोटे बैनर व होर्डिंग्स पकड़े हुए थे जिन पर लिखा था 'सिख एक अलग कौम है' व 'सिख हिंदू नहीं है।' रोष मार्च में शामिल सिख तालमेल कमेटी के नेता तेजिंद्र सिंह परदेशी, परमिंद्र सिंह, सुरिन्द्र पाल सिंह गोल्डी, हरपाल सिंह चड्ढा, गुरमीत सिंह बिट्टू, हरप्रीत सिंह तथा बलजीत सिंह आहलूवालिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से देश में सरकारी एजैंसियों तथा आर.एस.एस. के शरारती तत्वों द्वारा सिख धर्म व सिख विचारधारा के खिलाफ साजिशें बढ़ती जा रही हैं लेकिन अफसोस कि

मोहन भागवत के खिलाफ नारेबाजी व रोष प्रदर्शन करते सिख तालमेल कमेटी के सदस्य। (कुलदीप)

पंजाब की कथित पंथक लीडरशिप व धार्मिक नेता आर.एस.एस. की उंगलियों पर नाच रहे हैं तथा सिख विरोधी ताकतों पर नकेल कसने के प्रत्यन नहीं किए जा रहे। उन्होंने कहा कि बड़ी मुश्किल से पंजाब के हालात शांत हो पाए हैं। जिस तरीके से लगातार सिखों को गलत बयानबाजी कर भड़काया जा रहा है उससे वापस पंजाब में हालात बिगड़ सकते हैं।

नेताओं ने कहा कि कभी सिख गुरुओं की तस्वीरों से छेड़खानी की जाती है व कभी गुरबाणी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है व यहां हिंदू, मुसलमान, सिख एवं ईसाई सबका अपना अस्तित्व है इसलिए सरकार को चाहिए कि किसी भी धर्म के खिलाफ गलत बयानबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने राज्य व केन्द्र सरकार से अपील की कि मोहन भागवत के खिलाफ सिखों की भावनाएं आहत करने का केस दर्ज करके उसे जेल भेजा जाए तथा आर.एस.एस. संगठन पर पाबंदी लगाई जाए। इस मौके पर गुरजीत सिंह सतनामियां, हरजोत सिंह लक्की, मनदीप सिंह, प्रभजोत सिंह, जयदीप सिंह बाजवा, बिबेक सिंह, गुरदेव सिंह भाटिया, अमरदीप सिंह व गुरमीत सिंह वारिस भी मौजूद थे।